खत्म हो सांसदों की पेंशन व अन्य... **8** | मिशन 2024 : राष्ट्रवाद और हिंदुत्व... **3** | फर्रूखाबाद के विकास का रास्ता... **7**

सांध्य दैनिक

4PM

जल्दी गुस्सा करना जल्द ही आपको मूर्ख साबित कर देगा।

-ब्रूस ली

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 178 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार, 3 अगस्त, 2022

नेताओं से लेकर अफसरों तक किसी ने नहीं छोड़ा अयोध्या को लूटने में

भाजपा सांसद के पत्र से खुलासा

» सपा प्रमुख अखिलेश ने साधा सरकार पर निशाना

» पहले हुए जमीन घोटाले की जांच रिपोर्ट का भी नहीं चला पता

चेतन गुप्ता

लखनऊ। राम मंदिर निर्माण पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अयोध्या में जमीनों को लेकर जमकर लूट-खसोट चल रही है। राम नगरी को लूटने में न अफसर पीछे हैं और न नेता। श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट पर भी भूमि घोटाले के आरोप लगे थे। जमीनों की मची लूट पर विपक्ष के चौतरफा हमले के बाद योगी सरकार को सफाई देने के साथ जांच का ऐलान भी करना पड़ा था लेकिन जांच रिपोर्ट ठंडे बस्ते में चली गई। किस अफसर के खिलाफ क्या कार्रवाई हुई, सब मैनेज हो गया। अब एक बार फिर जमीनों की लूटखसोट का मामला सुर्खियों में है। अपनी ही सरकार में भ्रष्टाचार के खिलाफ अयोध्या के भाजपा सांसद ने मोर्चा खोल दिया है। अयोध्या में जमथरा से गोलाघाट तक भू-माफिया द्वारा नजूल व डूब क्षेत्र दरिया बुर्ज की भूमि की अवैध ढंग से खरीद-फरोख्त को लेकर सांसद ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर एसआईटी जांच की मांग की है। भाजपा सांसद के इस पत्र पर सियासत तेज हो गई है। विरोधी दल सपा ने इस पर योगी सरकार को घेरा है।

फैजाबाद से सांसद लल्लू सिंह के 31 जुलाई को सीएम योगी को भेजे पत्र में कहा है कि भू-माफियाओं का ऐसा दबदबा है कि पूर्व में संबंधित तात्कालिक अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ मिलकर नजूल और डूब क्षेत्र की जमीनों में हेराफेरी करके लोगों को गुमराह कर जमीनों को ऐन-केन-प्रकारेण उनके नाम कर दिया गया। जिसमें शहर में रहने के इच्छुक सामान्य लोगों को उक्त जमीन बेचकर करोड़ों-अरबों के वारे-न्यारे किए गए। साथ ही उन्होंने जमीनों के इस फर्जीवाड़े की एसआईटी से जांच कराने की मांग की है। सांसद के पत्र पर प्रदेश की सियासत एक बार फिर गरमा गयी है। गौरतलब है कि इसके पहले भी अयोध्या के जमीन घोटाले को लेकर सवाल उठते रहे हैं।

लल्लू सिंह
सांसद (लोक सभा)
फैजाबाद (उ.प्र.)

23, फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली - 110 001
फोन : 011-23782845
फैक्स : 011-23782844

मोबाइल : 09415905607
ईमेल : lallu.singh@sansad.nic.in

पत्रांक-एमपीएल-54/उ0प्र0/1108/2022 दिनांक-31.07.2022

मा0 मुख्यमंत्री जी
उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ

विषय-अयोध्या में जमथरा से गोलाघाट तक भू-माफियाओं द्वारा नजूल तथा डूब-क्षेत्र (दरिया बुर्ज) की भूमि में भ्रष्टाचार की जाँच के सम्बन्ध में।

महोदय,

आपके संज्ञान में लाना चाहता हूं कि अयोध्या में भू-माफियाओं का ऐसा दबदबा है कि पूर्व में सम्बन्धित तात्कालिक अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ मिलकर नजूल तथा डूब-क्षेत्र (दरिया बुर्ज) की जमीनों में कागजी हेराफेरी करके लोगों को गुमराह कर जमीनों को ऐन-केन-प्रकारेण उनके नाम कर दिया। जिसमें रोजी-रोटी कमाने वाले जो व्यक्ति शहर में रहना चाहते हैं ऐसे लोगों के साथ उक्त जमीनों को बेचकर करोड़ों/अरबों रूपयों की हेराफेरी की है। जमथरा घाट से गोलाघाट तक की जमीनों पर भू-माफियाओं का व्यापार फल-फूल रहा है।

यहाँ यह कहना उचित है कि गत तीन दशकों से उ0प्र0 शासन द्वारा नजूल का किसी भी प्रकार का पट्टा नहीं किया जा रहा है और न ही किए गये पट्टे का रिन्यूवल हो रहा है एवं डूब-क्षेत्र (दरिया बुर्ज) जमीनों पर किसी प्रकार का फ्री-होल्ड भी नहीं हो रहा है, फिर भी उपरोक्त जमीन का किन परिस्थितियों में भू-माफियाओं द्वारा डूब-क्षेत्र (दरिया बुर्ज) व नजूल की भूमि का विक्रय किया गया जिसपर स्थायी व अस्थायी लोगों द्वारा निर्माण कराया जा रहा है। ऐसा देखा गया है कि लोगों ने जो जमीन खरीदकर अपना मकान बना लिया है या बनाने वाले हैं उस जमीन की जाँच एस0आई0टी0 द्वारा होना आवश्यक है जिसमें भू-माफियाओं के साथ तत्कालीन दोषी अधिकारियों/कर्मचारियों के विरुद्ध कठिन से कठिन कार्यवाही हो सके।

अतः आपसे अनुरोध है कि अयोध्या महानगर विकसित होने में विभिन्न योजनाओं में जमीनों का आरक्षित होना आवश्यक है। अतएव अयोध्या में जमथरा से गोलाघाट तक भू-माफियाओं द्वारा नजूल तथा डूब-क्षेत्र (दरिया बुर्ज) की विक्रय की गई भूमि में भ्रष्टाचार की जाँच करवाकर तत्कालीन दोषी अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाय जिससे भविष्य में भू-माफियाओं पर लगाम लगाया जा सके।

सादर,

(लल्लू सिंह)

राम नाम की लूट है, लूट सके तो लूट

लखनऊ। राम जन्मभूमि को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद से अयोध्या में जमीन की लूट शुरू हो गई है। भाजपा सांसद के मुख्यमंत्री को लिखे पत्र के वायरल होने के बाद एक बार फिर जमीन लूट का मामला सुर्खियों में है। इसके पहले अयोध्या में तैनात तमाम छोटे-बड़े अधिकारियों ने अपने रिश्तेदारों और उनके पार्टनर्स के नाम पर यहां जमीनें खरीदी। खरीदारों में स्थानीय विधायक, महापौर,और राज्य पिछड़ा आयोग के सदस्य तक शामिल रहे। इस मामले में सीएम के आदेश पर दिसंबर 2021 में तत्कालीन अपर मुख्य सचिव राजस्व मनोज कुमार सिंह ने जांच बैठायी थी लेकिन आज तक इसका खुलासा नहीं हुआ है।

कम से कम अयोध्या तो छोड़ दें : अखिलेश

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भ्रष्टाचार पर घेरते हुए ट्वीट किया कि भाजपा सरकार के भ्रष्टाचारियों से आग्रह है, कम से कम अयोध्या तो छोड़ दें।

» सांसद लल्लू सिंह ने सीएम योगी को लिखा पत्र, एसआईटी जांच की मांग

» बीजेपी सांसद का पत्र बना योगी सरकार के गले की फांस

इन लोगों ने खरीदी जमीन

अनुज झा, निदेशक पंचायती राज

अनुज झा के पिता ने 28 मई 2020 को खरीदी जमीन रेकॉर्ड्स के मुताबिक 28 मई 2020 को 320.631 वर्गमीटर का एक प्लॉट अयोध्या के मुगलपुरा में खरीदा गया। यह जगह राम मंदिर से मुश्किल से एक किलोमीटर दूर है। जमीन की रजिस्ट्री यूपी के आईएएस अफसर अनुज झा के पिता बद्री झा के नाम पर है। इस जमीन को 23 लाख 40 हजार रुपये में खरीदा गया। बताते चलें कि अनुज झा 21 फरवरी 2019 से 23 अक्टूबर 2021 तक अयोध्या के डीएम थे। इस वक्त वह पंचायती राज विभाग के डायरेक्टर हैं और लखनऊ में तैनात हैं। रेकॉर्ड्स के मुताबिक बद्री झा ने आवासीय (गैर कृषि) जमीन अयोध्या के तुलसीनगर के रहने वाले मंशाराम सिंह से खरीदी। जमीन की रजिस्ट्री में बद्री झा का पता बिहार के मधुबनी जिले में स्थित उनके गांव का है।

आयुष चौधरी, पूर्व एसडीएम अयोध्या

अयोध्या में एसडीएम थे। आयुष की चचेरी बहन शोभिता रानी ने अयोध्या के बिरौली में 5,350 वर्ग मीटर जमीन 17.66 लाख रुपये में आशाराम से खरीदी। यह डील 28 मई, 2020 को हुई। 28 नवंबर, 2019 को शोभिता रानी की संचालित आरव दिशा कमला फाउंडेशन ने दिनेश कुमार से 7.24 लाख रुपये में अयोध्या के मलिकपुर में 1,130 वर्ग मीटर जमीन और खरीदी।

ऋषिकेश उपाध्याय, मेयर

अयोध्या के मेयर ने फैसले से दो महीने पहले 18 सितंबर 2019 को हरीश कुमार से 30 लाख रुपये में 1,480 वर्ग मीटर जमीन खरीदी। 9 जुलाई, 2018 को, परमहंस शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्रबंधक के रूप में उन्होंने रमेश से दान के रूप में अयोध्या के काजीपुर चितवन में 2,530 वर्ग मीटर का अधिग्रहण किया। सरकारी रिकॉर्ड में जमीन की कीमत 1.01 करोड़ रुपये है।

एमपी अग्रवाल, कमिश्नर देवीपाटन मंडल

एमपी अग्रवाल के ससुर केशव प्रसाद अग्रवाल ने 10 दिसंबर, 2020 को बरहटा मांझा में महर्षि रामायण विद्यापीठ ट्रस्ट से 31 लाख रुपये में 2,530 वर्गमीटर जमीन खरीदी। उनके बहनोई आनंद वर्धन ने उसी दिन उसी गांव में ट्रस्ट से 15.50 लाख रुपये में 1,260 वर्ग मीटर जमीन खरीदी। जानकारी के मुताबिक कमिश्नर की पत्नी अपने पिता की फर्म हेलमंड कॉन्ट्रैक्टर्स एंड बिल्डर्स एलएलपी में पार्टनर हैं।

दीपक कुमार, डीआईजी अलीगढ़

26 जुलाई 2020 से 30 मार्च 2021 तक डीआईजी अयोध्या थे। इनकी पत्नी की बहन महिमा ठाकुर ने 1 सितंबर, 2021 को बरहटा मांझा में 1,020 वर्गमीटर महर्षि रामायण ट्रस्ट से 19.75 लाख रुपये में खरीदा था।

पुरुषोत्तम दास गुप्ता, पूर्व मुख्य राजस्व अधिकारी, अयोध्या

20 जुलाई 2018 से 10 सितंबर 2021 के बीच अयोध्या के मुख्य राजस्व अधिकारी पुरुषोत्तम दास गुप्ता रहे हैं। उनके साले अतुल गुप्ता की पत्नी तृप्ति गुप्ता ने अमरजीत यादव नाम के एक व्यक्ति के साथ साझेदारी में 12 अक्टूबर 2021 को बरहटा मांझा में 1,130 वर्ग मीटर जमीन ट्रस्ट से 21.88 लाख में खरीदी।

अरविंद चौरसिया, पीपीएस अफसर

21 जून 2021 को पीपीएस अरविंद चौरसिया के ससुर संतोष कुमार चौरसिया ने भूपेश कुमार से अयोध्या के रामपुर हलवारा उपरहार गांव में 126.48 वर्ग मीटर 4 लाख रुपये में खरीदी। 21 सितंबर 2021 को उनकी सास रंजना चौरसिया ने कारखाना में 279.73 वर्ग मीटर जमीन भागीरथी से 20 लाख रुपये में खरीदी।

वेद प्रकाश गुप्ता, बीजेपी विधायक

विधायक के भतीजे तरुण मित्तल ने 21 नवंबर 2019 को बरहटा मांझा में 5,174 वर्ग मीटर रेणु सिंह और सीमा सोनी से 1.15 करोड़ में खरीदा था। 29 दिसंबर 2020 को उन्होंने जगदंबा सिंह और जदुनंदन सिंह से 4 करोड़ में मंदिर स्थल से लगभग 5 किमी दूर महेशपुर में 14,860 वर्गमीटर जमीन खरीदी।

सीएम योगी-रामगोपाल की मुलाकात पर सियासी उफान, बृजेश पाठक और शिवपाल ने सपा को घेरा

» डिप्टी सीएम बोले, भूमाफिया की पैरवी करने आए थे सपा नेता, अपराधियों के खिलाफ जारी रहेगी कार्रवाई

» प्रसपा प्रमुख शिवपाल ने पत्र जारी कर साधा निशाना, पूछा, न्याय की लड़ाई अधूरी क्यों

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव और सीएम योगी की मुलाकात के बाद प्रदेश में सियासी उफान आ गया है। अखिलेश यादव से सियासी नाता टूटने के बाद से अक्रामक हुए उनके चाचा शिवपाल सिंह यादव के तंज के बाद डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने भी सपा की घेराबंदी की है।

डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने सपा महासचिव रामगोपाल यादव की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि रामगोपाल भू-माफिया रामेश्वर सिंह यादव की पैरवी करने सीएम के पास गए थे। उन्होंने कहा कि सपा हमेशा से अपराधियों की पैरवी करती रही है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि जो अपराध करेगा उसके खिलाफ सरकार कार्रवाई अवश्य करेगी। अवैध संपत्तियों पर बुलडोजर भी चलेगा। उन्होंने कहा कि सपा महासचिव ने सीएम से भू-माफिया रामेश्वर यादव और जोगेंद्र यादव की पैरवी की थी। रामेश्वर के खिलाफ एटा में ही विभिन्न थानों में अब तक 86 मामले दर्ज हैं। रामेश्वर ने सरकारी और गैर सरकारी भूमि पर डरा धमकाकर अवैध कब्जे किए थे। आयकर विभाग ने भी अब तक करीब 52 करोड़ की चल-अचल संपत्ति कुर्क की है। गौरतलब है कि रामेश्वर को पुलिस ने आगरा से गिरफ्तार किया है। 18 जून को डीएम ने उनकी जमीन की कुर्की का आदेश जारी किया था। इसके पहले शिवपाल यादव ने अपने चचेरे भाई रामगोपाल यादव की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात पर तंज कसते हुए कहा कि न्याय की यह लड़ाई अधूरी क्यों है?

शिवपाल यादव ने उस पत्र को भी इंटरनेट मीडिया पर अपलोड कर सार्वजनिक कर दिया जिसे सोमवार को प्रो. रामगोपाल मुख्यमंत्री योगी को सौंपकर आए थे। इस पत्र के साथ शिवपाल ने ट्वीट किया... न्याय की यह लड़ाई अधूरी क्यों हैं? आजम खां, नाहिद हसन, शहजिल इस्लाम और अन्य कार्यकर्ताओं के लिए क्यों नहीं? हालांकि सपा ने सोमवार को ही ट्वीट कर कहा था कि प्रो. रामगोपाल यादव ने प्रदेश भर में पिछड़ों और मुसलमानों पर एकतरफा दर्ज हो रहे फर्जी मुकदमें व उत्पीड़न के संबंध में मुख्यमंत्री से बात की है। किंतु प्रो. रामगोपाल का पत्र शिवपाल यादव ने जारी कर यह साफ कर दिया कि वे केवल एटा के पूर्व विधायक के परिवार पर हो रहे उत्पीड़न को लेकर मुख्यमंत्री से मिलने गए थे।

अखिलेश कराएं झाड़-फूंक : राजभर

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने सपा नेता रामगोपाल यादव की मुख्यमंत्री से मुलाकात पर तंज कसा है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से उन्होंने पूछा है कि भाजपा की आत्मा ओमप्रकाश राजभर से निकल कर रामगोपाल यादव में घुस गयी है क्या? अखिलेश यादव किस तांत्रिक से अब प्रोफेसर साहब की झाड़-फूंक कराएंगे। राजभर ने कहा कि सीएम से यह शिष्टाचार मुलाकात नहीं बल्कि प्राण बचाओ मुलाकात है। राजभर ने कहा है कि अखिलेश कोई भी चुनाव गंभीरता से नहीं लेते। उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता सपा प्रत्याशी कीर्ति कोल का पर्चा खारिज होने के प्रकरण से फिर सामने आ गई है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रद्द किया यूपी पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम

» पूर्व सैनिकों को पांच फीसदी आरक्षण देने का आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी पीसीएस 2021 भर्ती की प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम रद्द कर दिया है। पूर्व सैनिकों को 5 फीसदी आरक्षण नहीं दिए जाने पर हाईकोर्ट ने परिणाम रद्द किया। कोर्ट ने पूर्व सैनिकों को 5 प्रतिशत आरक्षण का लाभ देने का आदेश दिया है और नए सिरे से परिणाम घोषित करने को कहा है। साथ ही परिणाम जारी होने के एक माह के अंदर मेंस परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र जारी करने का भी निर्देश दिया गया है।

याची सतीश चंद्र शुक्ल व अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस संगीता चंद्रा की एकल पीठ ने यह आदेश दिया। याचिका में कहा गया था कि वर्ष 1999 में कारगिल युद्ध के बाद राज्य सरकार ने पूर्व सैनिकों को दिए जाने वाले आरक्षण में बदलाव किया था। पूर्व सैनिकों को 5 फीसदी आरक्षण देने की व्यवस्था की गई थी, लेकिन इसमें ग्रुप ए और बी को हटा दिया गया। इस मामले में सरकार की ओर से कोर्ट में जवाब दाखिल किया गया कि सरकार इस मुद्दे पर विचार कर रही है। उसके बाद राज्य सरकार ने आरक्षण अधिनियम में एक और संशोधन किया।

वीआईपी एनडीए में नहीं, लेकिन हम नीतीश के साथ: सहनी

» राजद नेता मिथिलेश विजय समर्थकों संग वीआईपी में शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। विकासशील इंसान पार्टी के प्रमुख और बिहार के पूर्व मंत्री मुकेश सहनी के एक बयान ने प्रदेश का सियासी पारा चढ़ा दिया है। मुकेश सहनी ने कहा कि वीआईपी भले ही एनडीए में शामिल नहीं है लेकिन हम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ हैं।

वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी ने कहा कि उनकी पार्टी किसी जाति विशेष की नहीं बल्कि सभी जातियों की है। मुकेश सहनी बिहार की एनडीए सरकार में नीतीश कैबिनेट का हिस्सा रह चुके हैं। एनडीए से बाहर होने के बाद उन्हें मंत्री पद से भी इस्तीफा देना पड़ा था। वहीं मंगलवार को राजद के कोसी प्रक्षेत्र के नेता मिथिलेश विजय यादव सैकड़ों समर्थकों के साथ वीआईपी में शामिल हो गए। इस मौके पर मुकेश सहनी ने कहा कि मिथिलेश विजय के आने से वीआईपी को मजबूती मिलेगी। आरजेडी को तोड़ने के आरोपों को मुकेश सहनी ने सिरे से खारिज करते हुए कहा कि जो लोग पार्टी में आना चाहते हैं उन्हें रोका नहीं जा सकता। वीआईपी प्रमुख ने कहा कि पार्टी की विचारधारा को लेकर लोगों में आकर्षण है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा बिना सहारे के बिहार में नहीं जीत सकती है।

उत्तराखंड में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने की तैयारियां तेज

» ड्राफ्ट कमेटी की बैठक में लोगों से सुझाव मांगने का निर्णय

» सीएम धामी को उम्मीद छह महीने में आ जाएगी रिपोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तराखंड सरकार की ओर से यूनिफार्म सिविल कोड लागू करने के लिए गठित ड्राफ्ट कमेटी की तीसरी बैठक मंगलवार को नई दिल्ली स्थित उत्तराखंड सदन में हुई। कमेटी की अध्यक्ष जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में सम्पन्न बैठक में सदस्यों ने तय किया कि जल्द लोगों से इस विषय पर सुझाव आमंत्रित किए जाएंगे। सूत्रों के मुताबिक बैठक में संविधान सभा में इस विषय पर हुई बहसों के साथ ही, लॉ कमीशन की 2018 में सौंपी गई रिपोर्ट पर व्यापक चर्चा की गई। बैठक में सभी पर्सनल लॉ और कोर्ट के विभिन्न फैसलों पर भी विचार किया गया। वहीं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि समान नागरिक संहिता का मसौदा तैयार करने को जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में विशेषज्ञ समिति काम कर रही है। उम्मीद जताई जा रही है कि छह महीने के तय समय में रिपोर्ट सरकार को सौंप देगी।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

सिंगापुर बना यूपी में ग्लोबल इंवेस्टर समिट का साझेदार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सिंगापुर, यूपी ग्लोबल इंवेस्टर समिट-2023 (जीआईएस - 23) का साझेदार बन गया है। अब उसे समिट-23 से पहले विदेशों में होने वाले रोड शो का इंतजार है। भारत में सिंगापुर के उच्चायुक्त साइमन वोंग ने मंगलवार को ट्वीट कर यूपी ग्लोबल इंवेस्टर समिट-2023 (जीआईएस - 23) का फर्स्ट कंट्री पार्टनर बनने पर खुशी जाहिर की है।

साइमन वोंग ने लिखा, हम यूपी ग्लोबल इंवेस्टर समिट-23 से पहले विदेशों में होने वाले रोड शो की प्रतीक्षा कर रहे हैं। बता दें कि सिंगापुर के उच्चायुक्त साइमन वोंग ने 15 जून को 5 कालिदास स्थित मुख्यमंत्री के सरकारी आवास पर सीएम योगी आदित्यनाथ से मिलकर यूपी ग्लोबल इंवेस्टर समिट-2023 का फर्स्ट कंट्री पार्टनर बनने की इच्छा जताई थी। योगी सरकार प्रस्तावित ग्लोबल इंवेस्टर समिट -2023 से पहले विदेशों में अंतरराष्ट्रीय रोड शो करने वाली है, जिसमें 20 से अधिक देशों में उच्च स्तरीय टीमों को भेजने की योजना है। इसमें योगी सरकार के कई मंत्री भी शामिल होंगे। रोड शो के लिए पांच से छह टीमें भेजी जाएंगी।

» अब विदेशों में होने वाले रोड शो का इंतजार

मिशन 2024 : राष्ट्रवाद और हिंदुत्व को धार देने में जुटी भाजपा

हर घर तिरंगा फहराने की योजना को अमलीजामा पहनाने की तैयारियां तेज

» पदाधिकारियों से लेकर कार्यकर्ताओं तक सक्रिय निकाली जाएगी प्रभात फेरी

» आजादी के अमृत महोत्सव में प्रदेश को तिरंगामय करने की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मिशन 2024 के लिए तैयारियां शुरू हो गई हैं। विधान सभा चुनाव में प्रचंड सफलता के बाद भाजपा आगामी लोक सभा चुनाव के लिए प्रदेश में हिंदुत्व और राष्ट्रवाद के मुद्दों को धार देने में जुट गई है। इस मद्देनजर 15 अगस्त को भाजपा की योजना यूपी के तीन करोड़ घरों में तिरंगा झंडा फहराने की है। 9 से 15 अगस्त यानी स्वतंत्रता दिवस तक खास कार्यक्रम के तहत ये कैंपेन चलाए जाएंगे। इसके लिए कार्यकर्ता और पदाधिकारी जुट गए हैं।

इस साल 15 अगस्त को देश की स्वतंत्रता को 75 साल पूरे हो जाएंगे। इसे ध्यान में रखते हुए देश भर में इस साल आजादी के अमृत महोत्सव के नाम से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। अब 75वें स्वतंत्रता दिवस को विश्वस्तरीय सफलता दिलाने के लिए भाजपा ने देश भर में तिरंगा अभियान चलाने जा रही है। इसके तहत 9 अगस्त से लेकर 15 अगस्त तक उत्तर प्रदेश की हर गली, मोहल्ले, चौराहों पर वंदे मातरम और रघुपति राघव राजाराम के उद्घोष के साथ तिरंगा लगवाने का काम किया जाएगा। पार्टी के कार्यकर्ता राज्य भर के तीन करोड़ घरों पर खुद तिरंगा झंडा लगाने का काम करेंगे। 15 अगस्त को खास बनाने के लिए बीजेपी ने पूरे प्रदेश को तिरंगामय बनाने का प्लान तैयार किया है। 9 अगस्त से लेकर 11 अगस्त तक भाजपा सदस्य तिरंगा यात्रा निकालकर अमृत महोत्सव को लेकर प्रचार-प्रसार करेंगे। सार्वजनिक स्थानों पर होर्डिंग और तिरंगे लगाकर लोगों से अभियान के साथ जुड़ने की अपील करेंगे। 11 अगस्त से लेकर 13 अगस्त तक प्रत्येक बूथ और वार्ड स्तर तक के कार्यकर्ता वंदे मातरम और रघुपति राघव राजाराम के उद्घोष के साथ प्रभातफेरी निकालेंगे। सुबह 7 बजे से लेकर 9 बजे तक यह प्रभातफेरी निकाली जाएगी। इसके बात 13 अगस्त से लेकर 15 अगस्त तक प्रदेश के सभी घरों पर तिरंगा झंडा लगाने का काम पूरा किया जाएगा। पार्टी के कार्यकर्ताओं को निर्देश है कि झंडा लगाने के अभियान की सेल्फी लेकर वे पार्टी के लिंक पर अपलोड करेंगे।

तिरंगा कैंपेन के लिए हर विधान सभा में 25 हजार झंडे की व्यवस्था की जाएगी। अभियान में शामिल होने वाले लोगों में सभी सांसद, विधायक, मेयर, जिला पंचायत अध्यक्ष, चेयरमैन, ब्लॉक प्रमुख, जिला पंचायत सदस्य, पार्षद, ग्राम प्रधान के साथ अन्य सामाजिक प्रतिनिधि और संगठन के लोग शामिल होंगे।

महापुरुषों की मूर्तियों की साज-सज्जा

तिरंगा अभियान में भाजपा कार्यकर्ता 11 अगस्त को शहरों में लगी महापुरुषों की मूर्तियों की साफ-सफाई और धुलाई कर माल्यार्पण करेंगे। इसके बाद तिरंगा लगाने का काम किया जाएगा और प्रभात फेरी निकाली जाएगी। प्रभात फेरी में समाज के सभी मोर्चे को साथ लाने की तैयारी है। प्रभात फेरी के दौरान सिर्फ वंदे मातरम और रघुपति राघव राजाराम का गीत बजेगा।

यह है संदेश

आजादी के अमृत महोत्सव के जरिए भाजपा अपनी राष्ट्रवादी छवि के अनुरूप वोट बैंक को मजबूत करने में जुटी है। आजादी के 75 साल पूरे होने के मौके पर देश भर में तिरंगा अभियान चलाने के पीछे पार्टी का यही मकसद है। साल 2024 में लोक सभा चुनाव होने हैं और सीटों के लिहाज से देश के सबसे बड़े प्रदेश यूपी में अपनी सत्ता को मजबूती देने के लिए भाजपा हिंदुत्व और राष्ट्रवाद को धार देने में जुटी है।

लोक सभा चुनाव की तैयारी को सपा ने कसी कमर, आजमगढ़ में बनेगा 'वार रूम'

» 38 बिस्वा भूमि पर बनेगा पार्टी का कार्यालय, पूर्वांचल फतह को बनायी रणनीति

» जातीय और क्षेत्रीय समीकरण पर भी फोकस कार्यकर्ता और पदाधिकारी सक्रिय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव और आजमगढ़ व रामपुर लोक सभा उपचुनाव में करारी शिकस्त के बाद अब सपा पूरी तरह लोक सभा चुनाव की तैयारी में जुट गयी है। उसकी नजरें पूर्वांचल में भी लगी है ताकि यहां अधिक से अधिक सीटों पर कब्जा किया जा सके। इसको लेकर रणनीति तैयार की गयी है। पूर्वांचल में सपा का गढ़ माने जाने वाले आजमगढ़ के जनप्रतिनिधियों और निवर्तमान पदाधिकारियों के साथ सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने पिछले दिनों लखनऊ में बैठक की थी। निर्णय लिया गया कि आजमगढ़ में लोक सभा चुनाव का वार रूम बनाया जाए।

अखिलेश यादव ने कहा था कि आजमगढ़ में पार्टी का विशाल कार्यालय बनाकर वहां से संगठन को नई दिशा दी जाएगी। संकेत दिया कि लोक सभा चुनाव में पूर्वांचल फतह के लिए पार्टी का वार रूम यहीं होगा। पदाधिकारियों के अनुसार सपा ने संगठन के नाम से 22 जनवरी, 2021 को आजमगढ़ में मंदुरी एयरपोर्ट के समीप महाराजपुर में साढ़े छह करोड़ रुपये से 38 बिस्वा भूमि खरीदी थी। अब यहां अत्याधुनिक तकनीकी सुविधाओं से युक्त कार्यालय बनाने की योजना है। उपचुनाव में मिली हार के कारणों पर देर तक चले मंथन के बाद वर्ष 2024 के चुनाव की तैयारियों की रणनीति बनी। लोक सभा चुनाव में पार्टी किस तरह पूर्वांचल फतह करे इस पर विमर्श हुआ। प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने कहा कि हर बूथ पर 50 नए सदस्य बनाएं। गांव-गांव तक लोगों को बताएं कि सरकार किस तरह आम जनता को परेशान करने को कोई मौका नहीं चूक रही। इसके अलावा क्षेत्रीय और जातीय समीकरणों पर भी सपा प्रमुख ने फोकस बनाए रखा है। जाहिर है लोक सभा चुनाव के दौरान प्रत्याशियों के चयन में यह दिखायी पड़ेगा।

राष्ट्रवाद को भी बना रहे सहारा

मोदी सरकार देश भर में हर घर तिरंगा अभियान जोर-शोर से चला रही है। इसकी काट के लिए सपा ने भी अपने कार्यकर्ताओं से अपने-अपने घरों में सम्मान के साथ तिरंगा फहराने की अपील की है। विपक्षी दलों में सपा पहली पार्टी है जो इस मुहिम में खुल कर समर्थन में आई है जबकि बाकी विपक्षी दलों ने इस पर अभी अपना रुख स्पष्ट नहीं किया है। सपा ने बकायदा निर्देश जारी किए हैं कि सभी कार्यकर्ता 9 से 15 अगस्त तक अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज फहरा दें। पार्टी का कहना है कि भारत छोड़ो आंदोलन में समाजवादियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया था। सपा को 2024 के चुनाव के लिए मजबूत करने में जुटे अखिलेश यादव अब राष्ट्रवाद के सवाल पर खुद को उसके बड़े पैरोकार के तौर पर पेश करना चाहते हैं।

निकालेगी पदयात्रा

सपा ने अगस्त क्रांति दिवस के मौके पर शुरू करने जा रही पदयात्रा का नाम ही देश बचाओ- देश बनाओ रखा है। इसमें भी तिरंगा झंडा अभियान पर सबसे ज्यादा यात्रा का फोकस रहेगा। इसके जरिए समाजवादी खुद को राष्ट्रवाद व देश भक्ति के मोर्चे पर भाजपा को जवाब देना चाहती है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

खेलों में चमकते युवा और भविष्य

बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में भारतीय खिलाड़ियों ने पदकों को अपनी झोली में डालना जारी रखा है। पांचवें दिन तक भारत को पांच गोल्ड समेत 13 पदक हासिल हो चुके हैं। फिलहाल भारत पदक तालिका में 6वें स्थान पर है। वहीं भारत से कम जनसंख्या वाला देश आस्ट्रेलिया 82 पदकों के साथ पहले स्थान पर बना हुआ है जबकि अभी कई खेलों की प्रतियोगिताएं होनी बाकी हैं।

बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में भारतीय खिलाड़ियों ने पदकों को अपनी झोली में डालना जारी रखा है। पांचवें दिन तक भारत को पांच गोल्ड समेत 13 पदक हासिल हो चुके हैं। फिलहाल भारत पदक तालिका में 6वें स्थान पर है। वहीं भारत से कम जनसंख्या वाला देश आस्ट्रेलिया 82 पदकों के साथ पहले स्थान पर बना हुआ है जबकि अभी कई खेलों की प्रतियोगिताएं होनी बाकी हैं। सवाल यह है कि अपार युवा शक्ति होने के बाद भी खेलों में भारत पदकों की संख्या में पीछे क्यों है? क्या क्रिकेट के ग्लैमर ने अन्य खेलों को प्रभावित किया है? क्या ठोस खेल नीति नहीं होने के कारण सरकारें खेल प्रतिभाओं को तलाश और तराश नहीं पा रहीं हैं? एथलेटिक्स समेत तमाम इंडोर और आउटडोर गेम में हम और बेहतर क्यों नहीं कर पा रहे हैं? क्या प्राथमिक शिक्षा के साथ खेलों को महत्व दिए बिना भारत विश्व स्तर पर खास मुकाम बना सकता है? क्या केंद्र और राज्य सरकारों को खेल और खिलाड़ियों पर ध्यान देने की जरूरत महसूस नहीं होती?

भले ही वैश्विक खेल प्रतियोगिताओं में अपने खिलाड़ियों की जीत पर हमारा सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है लेकिन देश में खेलों की स्थिति आज भी दोयम दर्जे की है। हालांकि पिछले कुछ वर्षों से सरकार खेलों के विकास पर ध्यान दे रही है और खेलो इंडिया अभियान शुरू किया गया है लेकिन बुनियादी सुविधाओं के अभाव में खेल प्रतिभाएं उभर नहीं पा रही हैं। खेलों के प्रति रुचि उत्पन्न करने वाले प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा केंद्रों में इनको महत्व नहीं दिया जाता है। अधिकांश सरकारी स्कूलों और कॉलेजों में खेल मैदान नहीं है। जहां हैं भी वहां खेल उपकरण और प्रशिक्षक नहीं हैं। खेलों पर नाममात्र का बजट खर्च किया जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों का हाल और भी खराब है। ऐसे में तमाम प्रतिभाएं निखर नहीं पा रही हैं। कुछ अपने दम पर देश का नाम रोशन कर रहे हैं। हां, यह दीगर है कि किसी वैश्विक स्तर पर प्रतियोगिता जीतने के बाद सरकार खिलाड़ियों पर कुछ मेहरबानी दिखाती है। देश में स्पोर्ट्स कॉलेज और स्पोर्ट्स हॉस्टल गिने-चुने हैं। क्रिकेट के ग्लैमर ने भी अन्य खेलों को प्रभावित किया है। हालांकि इसमें बदलाव आ रहा है। जाहिर है, दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी आबादी और युवा शक्ति वाले भारत में खेल प्रतिभाओं को तराशने के लिए न केवल बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने बल्कि एक ठोस खेलनीति बनाने की जरूरत है। साथ ही खेलो इंडिया जैसी कई अन्य योजनाओं को भी चलाया जाना चाहिए ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली बच्चे भी अपनी प्रतिभा का जलवा विश्व स्तर पर दिखा सकें।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

अमेरिका से सीखने की जरूरत

नीरज कुमार दुबे

अल-कायदा सरगना अयमान अल-जवाहिरी को मौत के घाट उतार कर अमेरिका ने 9/11 हमले के पीड़ितों को न्याय दिला दिया है। देखा जाये तो जवाहिरी की मौत समूचे विश्व के लिए राहत भरी खबर है क्योंकि वह जिस तरह अपने संगठन को मजबूत कर रहा था उससे कई देशों के लिए चुनौतियां बढ़ गयी थीं। जवाहिरी का मारा जाना भारत के लिए ज्यादा महत्व रखता है क्योंकि उसने हाल के कुछ वर्षों में भारत को केंद्र में रखते हुए वीडियो संदेशों के माध्यम से जिहादी गतिविधियों के लिए युवकों को उकसा कर देश की मुश्किलें बढ़ाई थीं।

9/11 हमलों की साजिश रचने वाले अल-जवाहिरी और ओसामा बिन-लादेन का खात्मा दर्शाता है कि अमेरिका अपने देश पर हमला करने वालों को कभी बख्शता नहीं है। लादेन को यूएस नेवी सील्स ने दो मई 2011 को पाकिस्तान में एक अभियान के दौरान मार गिराया था और अब उसके 11 साल बाद जवाहिरी भी मारा गया। 9/11 के हमलों में शामिल रहे लादेन और जवाहिरी के अन्य सहयोगियों को अमेरिका पहले ही ठिकाने लगा चुका है। जवाहिरी को मार गिराने वाले अमेरिका से यह बात पूरी दुनिया को सीखनी चाहिए कि वह अपने नागरिकों पर हमलों की बात को कभी भूलता नहीं है और उसका बदला लेकर रहता है। 9/11 हमले को भले दो दशक से ज्यादा का समय हो गया हो लेकिन अमेरिकी सरकार के लिए उसके जख्म हमेशा ताजा रहे और भले ओसामा और जवाहिरी को मार गिराने के वर्षों लंबे अभियान के दौरान उसके अरबों-खरबों डॉलर खर्च हो गये मगर उसने इस बात की परवाह किये बिना आतंक के आकाओं का खात्मा करके ही चैन लिया। अमेरिका से पूरी दुनिया को यह भी सीखना चाहिए कि मानवता के दुश्मनों और आतंकवादियों का कोई धर्म नहीं होता और उनको बचाने के लिए आधी रात को कोर्ट नहीं खुलवाना चाहिए और न ही उनको मृत्युदंड सुनाये जाने का विरोध करके अपनी सियासत चमकानी चाहिए। ऐसे लोगों के मानवाधिकार के पक्ष में दलीलें देना भी बंद होनी चाहिए।

दुनिया को समझना होगा कि यह जो आतंकवादी वीडियो संदेश जारी कर जिहाद के लिए उकसाते हैं, दरअसल यह खुद बड़े डरपोक होते हैं। इन्हें खुद मौत से कितना डर लगता है इसका अंदाजा इससे लग जाता है कि जवाहिरी तालिबान के शीर्ष सरगना सिराजुद्दीन हक्कानी के घर में छिपा बैठा था। तो दूसरी ओर दुनिया का नंबर एक आतंकवादी रहा अल कायदा

सरगना ओसामा बिन लादेन कितना बहादुर था यह दुनिया ने तब देख ही लिया था जब वह डर के मारे एक गुफा से दूसरी गुफा में छिपता फिर रहा था। दूसरी ओर, आतंकवाद के खिलाफ अब तक की सबसे लंबी लड़ाई में मिली यह सबसे बड़ी सफलता घरेलू मोर्चे पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के लिए भी राहत लेकर आई है। अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी पर बाइडेन को काफी आलोचना झेलनी पड़ी थी और कहा गया था कि 9/11 के पीड़ितों को पूरा न्याय दिलाये बिना दो दशकों से जारी लड़ाई को बीच में छोड़ दिया गया। लेकिन अफगानिस्तान छोड़ने के 11 महीने बाद अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने आतंक रोधी अभियान में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। जिस तरह अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने यह अभियान चलाया और उसे सफलतापूर्वक अंजाम तक पहुंचाया, निश्चित ही इससे बाइडेन प्रशासन की दक्षता साबित हुई है। महंगाई और बेरोजगारी के मोर्चे पर चुनौतियों से जूझ रहे राष्ट्रपति जो बाइडेन की लोकप्रियता में हाल ही में गिरावट भी देखी गयी थी, वह अब बढ़ सकती है। बाइडेन ने दिखा दिया है कि कैसे उन्होंने अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाकर उनके जीवन की रक्षा की, अमेरिकी खजाने से अफगानिस्तान में जो अरबों डॉलर खर्च हो रहे थे उसे भी बचाया और अपनी रणनीति के चलते अफगानिस्तान में अमेरिकी सैनिकों की मौजूदगी नहीं होने के बावजूद जवाहिरी को मार गिराया। बहरहाल, जॉर्ज डब्ल्यू बुश के कार्यकाल में आतंकवाद के खिलाफ जिस अभियान की शुरुआत हुई थी उसे आगे बढ़ाते हुए बराक ओबामा ने ओसामा को मार गिराया फिर ट्रंप ने भी आतंकवाद के खिलाफ कड़ा रुख बरकरार रखा और अमेरिका के दुश्मनों का सफाया करने के साथ ही आतंकवाद को फंडिंग करने वालों की भी कमर तोड़ी। अब बाइडेन के कार्यकाल में जवाहिरी की मौत से अमेरिका का बदला लेने का संकल्प भी सिद्ध हुआ है और दुनिया ने भी चैन की सांस ली है। देखा जाये तो लादेन और जवाहिरी का खात्मा आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में बहुत बड़ी कामयाबी के साथ आतंकवाद के प्रतीकों पर सबसे बड़ा हमला भी है। इससे आतंकवादियों और आतंकवाद के समर्थकों का मनोबल गिरेगा जोकि पूर्णतया मानवता के हित में है।

विचाराधीन कैदियों की रिहाई की बने राह

विराग गुप्ता

अदालतों में चल रहे मुकदमों और जेलों में बंद गरीब कैदियों की मदद के लिए जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर विधिक सेवा प्राधिकरण का गठन किया गया है। कानूनी सहायता से जुड़े जजों की पहली बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विचाराधीन कैदियों के मुद्दे को उठाते हुए कहा कि कारोबारी सुगमता (ईज ऑफ डूईंग बिजनेस) की तर्ज पर ईज ऑफ जस्टिस यानी न्याय की सुगमता भी जरूरी है। कानून मंत्री किरेन रिजिजू, सर्वोच्च न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश एनवी रमन और अन्य जजों ने भी गरीबों को जल्द न्याय देने और कैदियों की रिहाई की बात कही। संविधान के अनुसार गरीब-अमीर सभी बराबर हैं तो फिर अमीरों की तरह गरीबों को भी जल्द न्याय मिलना उनका संवैधानिक अधिकार है। संविधान के अनुच्छेद 21 में मिले जीवन के अधिकार के तहत लोगों को जल्द न्याय मिलना जरूरी है। इसके बावजूद देश में लगभग 4.88 लाख लोग जेलों में बंद हैं, जिनमें 3.71 लाख विचाराधीन कैदी हैं।

ब्रिटिश हुकूमत के दौर में भारत के लोगों को जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार नहीं था, लेकिन आजादी के बाद पुलिस और न्यायिक व्यवस्था में औपनिवेशिक मानसिकता खत्म नहीं होने से विचाराधीन कैदियों का मामला नासूर बन गया। इन वक्तव्यों तथा पहली बार आदिवासी समुदाय से किसी व्यक्ति, वह भी महिला के राष्ट्रपति बनने से उम्मीदें बढ़ी हैं। इस संदर्भ में तीन जरूरी पहलुओं को समझना जरूरी है- (1) पुलिस द्वारा बेवजह और गैर-जरूरी गिरफ्तारी। मजिस्ट्रेट के आदेश के बगैर किसी भी व्यक्ति को आठ घंटे से ज्यादा जेल में नहीं रखा जा सकता है। लोगों को पुलिस कब, क्यों और कैसे गिरफ्तार करे, इसके लिए भी कानूनी प्रावधानों के साथ सुप्रीम कोर्ट के अहम फैसले हैं। जिन मामलों में सात साल से ज्यादा की सजा हो, आरोपी के भागने की आशंका हो, सबूतों के साथ छेड़छाड़ हो सकती हो और हिरासत में लेकर पूछताछ जरूरी हो, उन्हीं मामलों में गिरफ्तारी होनी चाहिए लेकिन इन नियमों को अनदेखा कर पुलिस द्वारा मनमाने तौर पर गिरफ्तारी विचाराधीन कैदियों की समस्या का सबसे बड़ा मर्ज है। (2) थकी हुई न्यायिक व्यवस्था। पुलिस की एफआईआर और स्टोरी पर आंख मूंद कर भरोसा कर ट्रायल कोर्ट के मजिस्ट्रेट आरोपी को जेल भेजने का आदेश पारित कर देते हैं इसलिए जेलों में बंद कैदियों के लिए पुलिस से ज्यादा मजिस्ट्रेट और जजों की जवाबदेही है. (3) अंग्रेजों के जमाने के दो शताब्दी पुरानी पुलिस जांच और फौजदारी कानून। तकनीकी विकास के साथ कंप्यूटर, इंटरनेट और सोशल मीडिया आम लोगों की जिंदगी का हिस्सा बन गये हैं। दूसरी तरफ सीआरपीसी कानून के तहत पुलिस जांच और साक्ष्य कानून के तहत सबूतों को जुटाने का सिस्टम ब्रिटिशकालीन ही है। इस वजह से पुलिस जांच के बाद लंबे-चौड़े आरोप-पत्र दायर करने का चलन खत्म नहीं हो रहा इसलिए गवाहों की लंबी सूची और मोटी फाइलों के बोझ से दबी अदालतों से फैसला और न्याय की बजाय लंबी तारीख मिलती है।

पुराने कैदी रिहा हों और नये कैदियों की आमद कम हो। इन पहलुओं से विचाराधीन कैदियों के मर्ज को दुरुस्त करने के लिए रोडमैप बनाने के साथ कई मोर्चों पर काम करने की जरूरत है। कोर्ट के हाल के तीन अहम फैसलों को पूरे देश में प्रभावी तरीके से लागू किया जाए तो इस मर्ज को आगे बढ़ने से रोका जा सकता है। पहला, सीआरपीसी कानून की धारा 41 के तहत संदिग्ध या आरोपी को पुलिस जांच में बुलाने से पहले नोटिस देना जरूरी है अगर आरोपी हाजिर होता है तो फिर शिकायत या संदेह के आधार पर उसकी गिरफ्तारी नहीं होनी चाहिए अगर नोटिस के तहत कोई व्यक्ति हाजिर नहीं होता तो भी अदालत से वारंट हासिल करने के बाद ही गिरफ्तारी होनी चाहिए। दूसरा, सुप्रीम कोर्ट के नये फैसले में दिये गये जरूरी दिशानिर्देश के अनुसार जमानत की अर्जी को दो सप्ताह में और अग्रिम जमानत की अर्जी को छह सप्ताह में निपटाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के अनुसार आपराधिक मामलों में दोषसिद्धि की दर बहुत कम है और लगातार हिरासत में रहने के बाद किसी का बरी होना बेहद अन्याय की बात है। सभी उच्च न्यायालयों से कहा गया है कि जमानत की शर्त पूरी करने में असमर्थ विचाराधीन कैदियों का पता लगाकर उन्हें जल्द राहत दी जाए। तीसरा, छत्तीसगढ़ के एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया कि सजा पूरी होने के बाद किसी भी व्यक्ति को जेल में रखना संविधान के अनुच्छेद 19 (1)-डी और 21 का सरासर उल्लंघन है। अदालतों के आदेश समय पर सरकार और जेल प्रशासन के पास पहुंचे और उन पर समयबद्ध तरीके से हुई कार्रवाई का विवरण अदालतों तक भेजा जाए तो निर्दोष लोगों को बेवजह जेल में नहीं रहना पड़ेगा। संविधान के अनुच्छेद 39-ए में लोगों को कानूनी सहायता देने का प्रावधान है। कानून मंत्री के अनुसार, पूरे देश में 676 जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विचाराधीन कैदियों की रिहाई के लिए जुटे हुए हैं। इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के दो सुझावों पर अमल हों। टेक्नोलॉजी और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के माध्यम से विचाराधीन कैदियों, उनके मुकदमे और जेल में रहने की अवधि आदि के डेटा का विश्लेषण किया जाए। कैदियों की रिहाई के लिए कानून की पढ़ाई कर रहे छात्रों की इंटर्नशिप जरूरी हो जाए तो फिर विचाराधीन कैदियों को अमृत महोत्सव पर्व पर आजादी का हक हासिल होगा।

बारिश का मौसम
गीले कपड़ों की बदबू से ऐसे पाएं छुटकारा

बारिश में कपड़े सुखाना सबसे बड़ी समस्या में से एक है। धूप कम निकलने की वजह से धुले कपड़े देर से सूखते हैं और जिस वजह से उनमें बदबू रह जाती है। दरअसल इस मौसम में पर्याप्त धूप नहीं मिलने की वजह से कपड़ों में नमी बनी रहती है जिसकी वजह से कपड़ों में बैक्टीरिया और फंगस पनपने लगते हैं और कपड़ों से बदबू आने लगती है और अगर आनन-फानन में इन कपड़ों को पहन लिया जाए तो स्किन में इंफेक्शन होने का डर भी रहता है। आज हम आपकी इन्हीं परेशानियों को दूर करने के लिए कुछ हैक्स बता रहे हैं जो बारिश के दिनों में आपकी इस समस्या को दूर कर सकते हैं।

हैंगर पर सुखाएं कपड़े

बरसात के मौसम में हमेशा गीले कपड़ों को अलग-अलग फैलाकर खुली जगह पर डालें। इससे बदबू तो दूर होगी ही साथ ही नमी भी जल्दी दूर हो जाएगी। इसके अलावा बारिश के दिनों में कपड़ों को हैंगर में लटकाएं, इससे कपड़ों को पंखे या खिड़की से आने वाली हवा मिलती है, जिससे बदबू नहीं आती है।

बेकिंग सोडा और सिरका का करें इस्तेमाल

अगर बरसात में डिटरजेंट से कपड़े धोने के बाद भी उसकी बदबू नहीं जाती तो इसके लिए आप कपड़े धोते वक्त कपड़े धोने वाले पाउडर के साथ पानी में थोड़ा सा सिरका या बेकिंग सोडा मिलाएं। सिरका की प्रकृति अम्लीय होती है, जो बदबू फैलाने वाले बैक्टीरिया को पनपने नहीं देता है।

नींबू के रस का करें प्रयोग

बरसात के मौसम में अत्यधिक नमी होने की वजह से गीले कपड़े से बदबू आनी बहुत जल्दी शुरू हो जाती है। कपड़े धोते समय पानी में नींबू की कुछ बूंदे मिला दें। नींबू अम्लीय प्रकृति का होता है जो बदबू पैदा करने वाले बैक्टीरिया को खत्म कर सकता है।

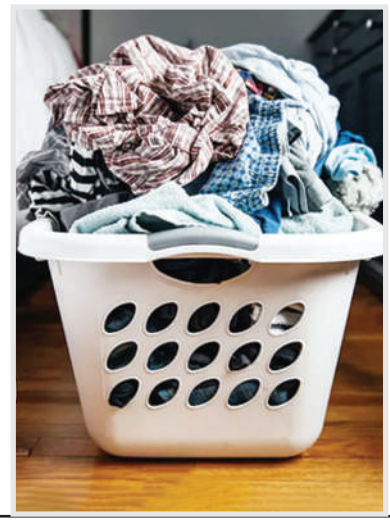

चॉक या सिलिकॉन पाउच रखें

चॉक या सिलिकॉन पाउच आपके कपड़ों से बदबू को अवशोषित कर लेता हैं इसलिए बारिश के दिनों में कपड़ों को सूखाने और बदबू को दूर करने के लिए अपनी अलमारी में चॉक की स्टिक और सिलिकॉन पाउच को रखें।

इन टिप्स का भी करें प्रयोग

- मानसून में टोकरी या वॉशिंग मशीन में हफ्तेभर के कपड़े इकट्ठा न करें और बारिश में भीगे हुए कपड़ों को रातभर बाल्टी में ऐसे ही न छोड़ दे। तुरंत अच्छे से डिटरजेंट में भिगोकर धो दें।
- बारिश में खुशबूदार डिटर्जेंट का इस्तेमाल करें। बदबू को रोकने के लिए ये ट्रिक भी काम करता है।
- भीगे कपड़ों को सुखाने के लिए किसी खुली जगह पर रखें, कपड़े सुखाते वक्त आसपास थैलीभर नमक भी रख दें। ये कपड़ों से मॉइश्चराइजर सोख लेता है और जल्दी सूखने में मदद करता है।

हंसना मना है

संता- कल मैंने रॉकेट छोड़ा तो सीधे सूरज से जा टकराया। बंता- क्या बात कर रहा है? फिर क्या हुआ? संता- फिर क्या? मेरी पिटाई हुई। बंता- किसने मारा? संता- सूरज की मम्मी ने।

गर्लफ्रेंड (गुस्साते हुए)- इतना लेट क्यों हो गए? मैं कबसे वेट कर रही हूं। बॉयफ्रेंड- बॉस ने रोक लिया था, उनके साथ डिनर कर रहा था। गर्लफ्रेंड- अच्छा क्या खाया? बॉयफ्रेंड- गालियां।

पिंटू पढाई में कमजोर था हमेशा दोस्तों के साथ मस्ती करता रहता था मास्टर जी- तुम्हारे अंग्रेजी में इतने कम नंबर क्यों आये? पिंटू- मास्टर जी, आया नहीं थी ना उस दिन मास्टर जी- अरे, क्या तुम पेपर वाले दिन आए ही नहीं थे? पिंटू- नहीं, वो मेरे बगल वाला लड़का नहीं आया था।

आज का ज्ञान WhatsApp और Facebook छोटे बच्चों के डायपर की तरह होते हैं। हुआ चाहे कुछ भी न हो फिर भी हर 5 मिनट में चेक करना ही पड़ता है।

मिंकी एक दुकान में गई मिंकी- 2 BHK का क्या Rate है? दुकानदार- ये रेडीमेड कपड़ों की दुकान है..मिंकी- लेकिन बाहर तो लिखा है Flat 70% Off दुकानदार हुआ परेशान।

कहानी — सड़क यहीं रहती है

एक दिन शेखचिल्ली कुछ लड़कों के साथ अपने कस्बे के बाहर एक पुलिया पर बैठा था। तभी एक सज्जन शहर से आए और लड़कों से पूछने लगे, क्यों भाई, शेख साहब के घर को कौन-सी सड़क गई है? शेखचिल्ली के पिता को सब 'शेख साहब कहते थे। उस गांव में वैसे तो बहुत से शेख थे, परंतु 'शेख साहब चिल्ली के अब्बाजान ही कहलाते थे। वह व्यक्ति उन्हीं के बारे में पूछ रहा था। वह शेख साहब के घर जाना चाहता था। परन्तु उसने पूछा था कि शेख साहब के घर कौन-सा रास्ता जाता है। शेखचिल्ली को मजाक सूझा। उसने कहा, क्या आप यह पूछ रहे हैं कि शेख साहब के घर कौन-सा रास्ता जाता है? 'हां-हां, बिल्कुल! उस व्यक्ति ने जवाब दिया। इससे पहले कि कोई लड़का बोले, शेखचिल्ली बोल पड़ा, इन तीनों में से कोई भी रास्ता नहीं जाता। 'तो कौन-सा रास्ता जाता है? 'कोई नहीं। क्या कहते हो बेटे? शेख साहब का यही गांव है न? वह इसी गांव में रहते हैं न? हां, रहते तो इसी गांव में हैं। 'मैं यही तो पूछ रहा हूं कि कौन-सा रास्ता उनके घर तक जाएगा साहब, घर तक तो आप जाएंगे। शेखचिल्ली ने उत्तर दिया, यह सड़क और रास्ते यहीं रहते हैं और यहीं पड़े रहेंगे। ये कहीं नहीं जाते। ये बेचारे तो चल ही नहीं सकते इसीलिए मैंने कहा था कि ये रास्ते, ये सड़कें कहीं नहीं जाती। यहीं पर रहती हैं। मैं शेख साहब का बेटा चिल्ली हूं। मैं वह रास्ता बताता हूं, जिस पर चलकर आप घर तक पहुंच जाएंगे। अरे बेटा चिल्ली! वह आदमी प्रसन्न होकर बोला, तू तो वाकई बड़ा समझदार और बुद्धिमान हो गया है। तू छोटा-सा था जब मैं गांव आया था। मैंने गोद में खिलाया है तुझे। चल बेटा, घर चल मेरे साथ। तेरे अब्बा शेख साहब मेरे लंगोटिया यार हैं और मैं तेरे रिश्ते की बात करने आया हूं। मेरी बेटी तेरे लायक है। तुम दोनों की जोड़ी अच्छी रहेगी। अब तो मैं तुम दोनों की सगाई करके ही जाऊंगा। शेखचिल्ली उस सज्जन के साथ हो लिया और अपने घर ले गया। कहते हैं, आगे चलकर यही सज्जन शेखचिल्ली के ससुर बने।

10 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज पारिवारिक-जीवन में अस्थिरता रह सकती है । आपका अपने माता-पिता के साथ कुछ वैचारिक मतभेद हो सकता हैं। प्रेम संबंधों के लिए समय शुभ है।

वृषभ

आज आपका दिन बढ़िया रहने वाला है। आज परिवार के लोगों से आपको भरपूर सहयोग प्राप्त होगा। खासकर आपके प्रति बड़ों का प्यार बना रहेगा।

मिथुन

नए काम और नई बिजनेस डील सामने आ सकती है। परेशानियों से निपटने के लिए दिन अच्छा रहेगा। सोचे हुए काम शुरू कर दें, काम जल्दी ही पूरे हो जाएंगे।

कर्क

चल रही परियोजनाओं और कार्यों में बाधाएं संभव हैं। किसी भी बहस या टकराव से बचें। किसी भी संपत्ति के सौदे को अंतिम रूप देने से पहले सभी दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ें।

सिंह

आज का दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। कोई भी बड़ा काम शुरू करने से पहले उस क्षेत्र से जुड़े लोगों की राय जरुर ले लें। आज बिजनेस में कम मुनाफा का योग हैं।

कन्या

बिजनेस में कुछ नई योजनाओं पर काम शुरू हो सकता है। पार्टनर से सहयोग और सुख मिलेगा। लव लाइफ के लिए दिन अच्छा रहेगा। आज सोचे हुए कुछ काम पूरे हो जाएंगे।

तुला

आप शैक्षिक रूप से बहुत सफल होंगे और आपका नाम और प्रसिद्धि व्यापक होगी। आप अच्छे स्वास्थ्य का आनंद लेंगे और आपका आत्मविश्वास-स्तर भी काफी बढ़ जाएगा।

वृश्चिक

आज आपका दिन बेहतर रहेगा। बस आपको अपनी वाणी पर संयम रखना होगा। मुंह से निकली हुई एक गलत बात आपको परेशानी में डाल सकती है। आज घर पर कोई रिश्तेदार आ सकता है।

धनु

आर्थिक मामले सुलझ जाएंगे। दाम्पत्य जीवन सुखद हो सकता है। आप समझौते और विनम्रता से उलझे हुए मामले निपटा सकते हैं। रूटीन कामों से धन लाभ हो सकता है।

मकर

प्रोफेशन से संबंधित यात्राएं वांछित परिणाम नहीं दे पाएंगी। नए कार्यस्थल से जुड़ने या नई परियोजनाओं और उपक्रमों को शुरू करने के लिए दिन ज्यादा अनुकूल नहीं है।

कुम्भ

आज आपका दिन पहले से ज्यादा लाभ दिलवाने वाला रहेगा। लंबे समय से चल रही कोई योजना आज पूरी हो जायेगी। कोई नया काम शुरू करने के बारे में भी सोच सकते हैं, दिन आपके लिये लाभकारी होगा।

मीन

बिजनेस में कुछ नया करने के चक्कर में आपकी परेशानी बढ़ सकती है। मन में जो उठापटक चल रही है उस वजह से आज काम में कहीं मन नहीं लगेगा। आज आप नौकरी और बिजनेस में जल्दबाजी न करें।

नागा चैतन्य और सामंथा रुथ प्रभु साथ में करेंगे फिल्म

अभिनेता नागा चैतन्य और एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु बीते साल अक्टूबर में अलग हो गए थे। इसके बाद से दोनों अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ ही अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी खबरों में रहते हैं। नागा और सामंथा का अलग होना उनके फैन्स के लिए एक बड़ा झटका रहा था, हालांकि फैन्स तो दोनों को फिर से एक साथ देखना चाहते हैं। ऐसे में हाल ही में लाल सिंह चड्ढा में नजर आने वाले एक्टर नागा चैतन्य ने सामंथा संग दोबारा काम करने के सवाल पर रिएक्ट किया है।

नागा चैतन्य ने सिद्धार्थ कनन के साथ बातचीत की और कई सवालों के जवाब दिए। इस दौरान कनन ने नागा चैतन्य से पूछा कि क्या वो कभी भी दोबारा सामंथा रुथ प्रभु के साथ फिल्मों में काम करेंगे? इस पर नागा चैतन्य ने हंसते हुए कहा, अगर ऐसा हुआ तो ये वाकई में काफी क्रेजी होगा लेकिन मुझे नहीं पता, ये तो सिर्फ यूनिवर्स जानता है, देखते हैं...। नागा चैतन्य, फिल्म लाल सिंह चड्ढा में नजर आएंगे। फिल्म के ट्रेलर और कुछ क्लिप्स में नागा चैतन्य, आमिर खान के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए नजर आ रहे हैं। वहीं सामंथा, करण जौहर के शो कॉफी विद करण 7 में अक्षय कुमार के साथ पहुंची थीं। नागा चैतन्य से अलग होने के सोशल मीडिया पोस्ट पर उन्हें ट्रोल किया गया था, जिस पर एक्ट्रेस ने कहा, मैं असल में इसके बारे में शिकायत नहीं कर सकती क्योंकि मैंने वह रास्ता चुना था। करण ने पूछा था कि क्या उनके बीच कोई कड़वाहट है। सामंथा ने कहा, यह ऐसी स्थिति है कि अगर आप हमें एक कमरे में बंद कर दें तो आपको धारदार चीजें छुपानी पड़ेंगी। हां अभी ऐसा ही है। एक्ट्रेस ने आगे जोड़ा कि अभी स्थिति ऐसी नहीं है कि आम सहमति बन सके लेकिन भविष्य में हो सकता है।

बॉलीवुड | मसाला

सलमान, शाहरुख और आमिर के अपोजिट करूंगी काम : जाह्नवी कपूर

जाह्नवी कपूर इन दिनों अपनी फिल्म 'गुडलक जेरी' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। उनकी ये फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी हॉटस्टार पर 29 जुलाई को रिलीज हुई। इस क्राइम कॉमेडी में जाह्नवी ने शानदार एक्टिंग कर दर्शकों का दिल जीत लिया है। जाह्नवी ने बॉलीवुड के सुपरस्टार्स सलमान खान, शाहरुख खान और आमिर खान को लेकर कुछ ऐसा कह दिया है, जिसकी वजह से वह लाइमलाइट में बनी हुई हैं।

दरअसल, एक इंटरव्यू में जाह्नवी से ये सवाल पूछा गया कि क्या वो भी खान के साथ काम करना चाहती हैं? इस पर उन्होंने जवाब दिया है वह काफी दिलचस्प तो है लेकिन थोड़ा हैरान करने वाला भी है। रिपोर्ट के अनुसार, बातचीत में जाह्नवी ने अपने दिल की ख्वाहिश बताते हुए खुलासा किया कि वह इन सभी के साथ काम करना चाहती हैं। इनके साथ हर कोई काम करना चाहता है लेकिन मैं उनके अपोजिट काम करूंगी तो थोड़ा अजीब लगेगा फिर भी मैं काम करना पसंद करूंगी। उन्होंने ये भी बताया कि आमिर भी एक बार उनके साथ फिल्म करने के बहुत करीब थे। जाह्नवी से जब ये सवाल किया गया कि पर्दे पर उनकी जोड़ी किसके साथ अच्छी लगेगी तो उन्होंने वरुण धवन और रणबीर कपूर का नाम लिया।

बॉलीवुड | मन की बात

युवाओं को करनी चाहिए दो हीरो वाली फिल्में : रोहित शेट्ठी

बॉलीवुड के मशहूर फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी अपनी फिल्मों में फिल्मों में अजीबोगरीब एक्शन के लिए जाने जाते हैं। जिसमें सिंघम, सिंबा जैसी फिल्में शामिल हैं। अब निर्देशक ने दो हीरो वाली फिल्मों को लेकर अपना बयान दिया और फिल्म निर्माताओ को सलाह भी दी है। उन्होंने पिंकविला को एक इंटरव्यू में मल्टी स्टारर फिल्म को लेकर बात करते हुए, अपनी पिछली फिल्म सूर्यवंशी का उदाहरण देते हुए बताया। अजय देवगन और अक्षय कुमार उस दौर से आते हैं जहां निर्माता मल्टी स्टारर फिल्में बनाने में विश्वास रखते थे। इस फिल्म में रणवीर को विश्वास था कि मैं उन्हें सही तरीके से लोगों के आगे पेश करूंगा। उन्होंने आगे इंडस्ट्री में आ रहे युवा एक्टर्स को दो हीरो वाली फिल्म करने की सलाह देते हुए कहा, मुझे इस तरह की फिल्में बनाने में कोई परेशानी नहीं हुई लेकिन युवा लोगों को अपने निर्माताओं से बात करनी चाहिए और दो हीरो वाली फिल्मों पर काम शुरू करना चाहिए। उन्हें अपने कंफर्ट जोन के मुद्दे को पीछे छोड़ देना चाहिए। आगर ऐसी फिल्म नहीं बनतीं तो निर्माताओं को बड़े पैमाने पर फिल्मों का निर्माण करना मुश्किल हो जाएगा। जानकारी के मुताबिक, इन दिनों रोहित अपनी आगामी फिल्म सर्कस की तैयारियों में जुटे हुए हैं। इस फिल्म बॉलीवुड के सुपर एनर्जेटिक अभिनेता रणवीर सिंह और वरुण शर्मा नजर आने वाले हैं। फिल्म में उनके साथ एक्ट्रेस जैक्लीन फर्नांडिस भी मुख्य भूमिका में नजर आने वाली हैं।

किसी से मिलते वक्त हाथ क्यों मिलाते हैं इंसान

भारतीय संस्कृति में लोग जब एक दूसरे से मिलते हैं तो नमस्ते करते हैं। यानी अपने दोनों हाथों को साथ में जोड़कर प्रणाम करते हैं। मगर विदेशी संस्कृतियों में हाथ मिलाने की परंपरा रही है। वैज्ञानिकों ने कई ऐसी रिसर्च की हैं जिसमें हाथ मिलाने की प्रक्रिया को गंदा माना गया है क्योंकि इससे लोगों के हाथों में बैक्टीरिया ट्रांसफर हो जाते हैं। कोरोना काल में तो किसी से हाथ मिलाना पाप की तरह माना जाता है मगर सवाल ये उठता है कि आखिर हाथ मिलाने की परंपरा क्यों बनी और कब से इसकी शुरुआत हुई? बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार पुरातत्वविदों ने कई तरह के सामानों की खोज में बने चित्र के जरिए ये जाना कि प्राचीन ग्रीस में करीब 5वीं सदी बीसी के दौरान हाथ मिलाने की परंपरा की शुरुआत हुई थी। इतिहासकारों को प्राचीन पॉट जैसी कई चीजों में ऐसी तस्वीरें मिली थीं जिसमें लोग हाथ मिलाते नजर आ रहे थे मगर फिर वही सवाल खड़ा होता है कि आखिर हाथ मिलाकर ही क्यों एक दूसरे भेंट करने की परंपरा शुरू हुई। रिपोर्ट की मानें तो हाथ मिलाने की परंपरा तब से शुरू हुई जब लोग तलवरों से युद्ध लड़ा करते थे। आमतौर पर सैनिक अपने बाएं तरफ तलवारों को टांगे रहते थे और उसे निकालने के लिए अपना दांया हाथ इस्तेमाल करते थे। परंपरागत रूप से हाथ भी दांए हाथ से ही मिलाया जाता था। ये इस बात का प्रतीक होता था कि सैनिक शांति स्थापित करना चाहता है क्योंकि उसके हाथों में तलवार नहीं है। वो इससे ये दिखाना चाहते थे कि उनका हाथ मिलाने के लिए आगे बढ़ा है इसलिए वो चालाकी में तलवार नहीं निकालेंगे। सामने वाला भी हाथ आगे बढ़ा देता था जिससे वो ये दर्शाता था कि उसे इस बात का भरोसा है कि पहला व्यक्ति चालाकी नहीं करेगा। शिष्टाचार एक्सपर्ट विलियम हैंसन बताया कि हाथ मिलाने से दर्शाया जाता है कि आप सामने वाले व्यक्ति को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहते हैं। आज के वक्त में मार्शल आर्ट्स से जुड़े कई खेलों में भी लड़ाई से पहले हाथ रेफरी प्लेयर्स का हाथ मिलवाता है। ये इस बात का संकेत होता है कि दोनों के हाथ में कोई ऐसा हथियार नहीं है जिससे वे एक दूसरे को नुकसान पहुंचा सकें और दूसरा ये कि युद्ध से पहले वो ये बता सकें कि दोनों दोस्ताना व्यवहार रखकर ही एक दूसरे से लड़ेंगे।

अजब-गजब | यहां जाने वाला कभी नहीं लौटता वापस

इसे कहा जाता है 'जंगलों का बरमूडा ट्राएंगल'

हमारी पृथ्वी पर ऐसे कई स्थान हैं जो किसी रहस्य से कम नहीं है, इन स्थानों को इसलिए रहस्यमी माना जाता है क्योंकि यहां कुछ ऐसी घटनाएं होती है जो आमतौर पर कहीं और देखने को नहीं मिलती इसीलिए इन स्थानों को रहस्यमयी माना जाता है। आपने बरमूड़ा ट्राएंगल के बारे में तो सुना होगा जो समुद्र के बीच में एक ऐसा स्थान है जिसके ऊपर से गुजरने वाली हर चीज गायब हो जाती है। फिर चाहे कोई हवाई जहाज हो या कोई पानी का जहाज। कई विमान इसके ऊपर से गुजरते वक्त गायब हो चुके हैं जिनका आज तक कोई पता नहीं चला। आज हम आपके एक ऐसे जंगल यानी फॉरेस्ट के बारे में बताने जा रहे हैं जिसे जंगलों का बरमूडा ट्राएंगल कहा जाता है क्योंकि इस जंगल में जाने के बाद कोई वापस नहीं लौटता।

रोमानिया में है ये जंगल

दरअसल, हम बात कर रहे हैं रोमानिया के ट्रांसल्वेनिया प्रांत की। जहां पर ऐसी-ऐसी अजीबोगरीब घटनाएं घटित होती हैं कि लोगों को अब इस जगह पर जाने में रूह कांप जाती है। जानकारी के मुताबिक यहां 'होया बस्यू' नाम का एक जंगल है। जिसे दुनिया के सबसे डरावने जंगलों में से एक माना जाता है। यहां

घटने वाली रहस्यमयी घटनाओं के कारण ही इस जगह को 'रोमानिया या ट्रांसल्वेनिया का बरमूडा ट्राएंगल' कहते हैं।

700 एकड़ में फैला है ये डरावना जंगल लापता हो चुके हैं सैकड़ों लोग

यह कुख्यात जंगल क्लुज काउंटी में स्थित है, जो क्लुज-नेपोका शहर के पश्चिम में है। यह जंगल लगभग 700 एकड़ में फैला हुआ है और माना जाता है कि यहां सैकड़ों लोग लापता हो चुके है। ऐसा कहा जा रहा है कि इस जंगल में पेड़ मुड़े हुए और टेढ़े-मेढ़े दिखाई देते हैं, जो दिन के उजाले में भी बेहद ही डरावने लगते हैं। इस जगह को लोग यूएफओ (उड़नतस्तरी) और भूत-प्रेतों से भी जोड़कर देखते हैं। इसके अलावा कहा जाता है कि यहां कई लोग रहस्यमयी तरीके से गायब भी हो चुके हैं।

सबसे पहले गायब हुआ था एक चरवाहा

होया बस्यू जंगल को लेकर पहली बार लोगों की दिलचस्पी तब जगी थी, जब इस क्षेत्र में एक चरवाहा लापता हो गया था। सदियों पुरानी किवदंती के अनुसार, वह आदमी जंगल में जाते ही रहस्यमय तरीके से गायब हो गया था। हैरानी की बात तो ये थी कि उस समय उसके साथ 200 भेड़ें भी थीं। ऐसा भी कहा जाता है कि कुछ लोग यहां घूमने के उद्देश्य से आये थे, लेकिन वह कुछ देर के लिए गायब हो गए और कुछ समय बाद फिर से आ गये। लोगों का कहना है कि इस जंगल में रहस्यमयी शक्तियों का वास है। यहां पर लोगों को अजीब सी आवाजें भी सुनाई देती हैं। यही कारण है कि लोग इस जंगल में पांव तक रखना नहीं चाहते हैं। बताया जाता है कि साल 1870 में यहां पास के ही गांव में रहने वाले एक किसान की बेटी गलती से इस जंगल में घुस गई और उसके बाद गायब हो गई। लोगों को हैरानी तो तब हुई, जब वह लड़की ठीक पांच साल बाद जंगल से वापस आ गई, लेकिन वह अपनी याददाश्त पूरी तरह से खो चुकी थी। हालांकि कुछ समय के बाद ही उसकी मौत भी हो गयी थी।

फर्रूखाबाद के विकास का रास्ता साफ, बनेगा इकोनॉमिक कॉरिडोर

» गाजियाबाद से फर्रूखाबाद तक के एक्सप्रेस वे का केंद्र ने किया ऐलान

» पूर्व सांसद संतोष भारतीय की मेहनत लायी रंग, छपाई और जरदोजी के लिए प्रसिद्ध है फर्रूखाबाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फर्रूखाबाद। पूर्व सांसद एवं पत्रकार संतोष भारतीय के प्रयासों के बाद आखिरकार गाजियाबाद से फर्रूखाबाद एक्सप्रेस वे और इकोनामिक कॉरिडोर बनाने को केंद्र सरकार राजी हो गयी है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री वीके सिंह ने इस आशय का पत्र जारी कर इसकी सूचना पूर्व सांसद को दी है। इससे फर्रूखाबाद जिले के विकास का रास्ता साफ हो गया है।

फर्रूखाबाद के पूर्व सांसद संतोष भारतीय ने बताया कि फर्रूखाबाद आलू उत्पादन, छपाई, नमकीन और जरदोजी के लिए देशभर में मशहूर है लेकिन यहां से कोई एक्सप्रेस-वे नहीं निकलता है। इसके कारण फर्रूखाबाद जिला विकास के मसले में सबसे पिछड़ा और सबसे अविकसित है। एशिया में सबसे ज्यादा कोल्ड स्टोरेज इसी जिले में है। इसके बावजूद यहां के सांसदों और विधायकों ने सरकार पर यहां के विकास के लिए कोई दबाव नहीं बनाया। उन्होंने कहा कि गंगा एक्सप्रेस-वे यहां से 40 किलोमीटर दूर से निकाला गया। गंगा के किनारे बसे फर्रुखाबाद में आवागमन के लिए एक्सप्रेस वे नहीं है जबकि यहां राजपूत रेजीमेंट का मुख्यालय भी है। उन्होंने बताया कि उन्होंने जब भारत सरकार के सामने इस महत्वपूर्ण मुद्दे को कई बार उठाया तो केंद्र सरकार ने एक विशेष इकोनॉमिक कॉरिडोर की योजना को मंजूरी दी और गाजियाबाद से फर्रुखाबाद तक एक्सप्रेस वे की घोषणा की। फर्रुखाबाद से इसे लखनऊ भी ले जाया जा सकता है और जीटी रोड के द्वारा कानपुर से भी मिलाया जा सकता है। इसकी सूचना केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री वीके सिंह ने एक पत्र द्वारा उनको दी है।

उन्होंने बताया कि यह एक्सप्रेस-वे गाजियाबाद से बिल्कुल सीधा फर्रुखाबाद में आकर मिलेगा। इससे न केवल फर्रुखाबाद का बल्कि आसपास के 50 किलोमीटर में आने वाले क्षेत्र का भी विकास होगा। इस एक्सप्रेस-वे का निर्माण दो से तीन साल में हो जाएगा। गौरतलब है कि फर्रुखाबाद में संकिसा है, जो बौद्ध धर्म का बहुत ही पवित्र स्थल है, यहां विदेशों से बहुत यात्री आते हैं। उनके लिए एक्सप्रेस-वे बहुत ही सुविधाजनक आवागमन का साधन बनेगा। इसके अलावा राजपूत रेजीमेंट जो देश में कहीं भी विपत्ति आने पर सबसे पहले भेजी जाती है उसके लिए यह जीवन रेखा का काम करेगा।

लखनऊ-कानपुर हाईवे पर लगे जाम पर दो इंस्पेक्टर सस्पेंड डीएसपी का तबादला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ-कानपुर हाईवे पर जाम के मामले में लापरवाही बरतने वाले पुलिस अफसरों पर बड़ी कार्रवाई हुई। एडीजी एलओ प्रशांत कुमार ने बताया कि 28 जुलाई को लखनऊ-कानपुर हाईवे पर जाम मामले में कार्रवाई की गई है। उस दिन मौके पर पहुंचे सीनियर अफसरों की रिपोर्ट पर इंस्पेक्टर बंथरा, ट्रैफिक इंस्पेक्टर को सस्पेंड किया गया है। उस इलाके के एसीपी को भी हटाया गया है।

एडीजी ने बताया कि अब हाईवे पर ट्रैफिक इंफोर्समेंट स्क्वायड तैनात रहेगा। भ्रष्टाचार की गुंजाइश को खत्म करने के लिए इस स्क्वायड के कर्मचारियों को हर हफ्ते बदला भी जाएगा। हाईवे पर प्रकाश, सफाई और जल निकासी दुरुस्त करने, पेट्रोलिंग, सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं। सड़क किनारे ढाबों पर बेतरतीब पार्किंग व्यवस्था, वेयरहाउस के बाहर खड़े वाहनों, अतिक्रमण पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटाने के लिए दो बड़ी क्रेन रखने, हाईवे पर अवैध और असुरक्षित कट बंद कराने के निर्देश दिए गए हैं।

हिमाचल: चुनावी तैयारी में जुटी कांग्रेस

कार्यकर्ताओं की नब्ज टटोलेंगे पर्यवेक्षक भूपेश बघेल

» सात को टीम पहुंचेगी शिमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

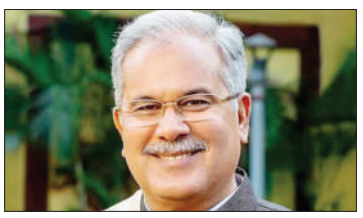

शिमला। कांग्रेस के केंद्रीय पर्यवेक्षक चुनावी तैयारियों का जायजा लेने शिमला पहुंचेंगे। दो दिन बैठकें कर कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों से फीडबैक लिया जाएगा। वहीं विधान सभा चुनाव के लिए रणनीति को अंतिम रूप दिया जाएगा। सात अगस्त को पर्यवेक्षकों की टीम शिमला पहुंचेगी। इस दिन पार्टी मुख्यालय राजीव भवन में बैठक होगी। इसमें प्रदेश अध्यक्ष, कार्यकारी अध्यक्षों सहित पार्टी के सभी विधायक, विधानसभा चुनाव के लिए बनाई समितियों के अध्यक्ष, सचिव, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं अग्रणी संगठनों के पदाधिकारी भाग लेंगे।

प्रदेश महामंत्री संगठन रजनीश किमटा ने बताया कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को विधान सभा चुनाव के लिए मुख्य पर्यवेक्षक बनाया है। उनके साथ सचिन पायलट व प्रताप सिंह बाजवा पर्यवेक्षक लगाए हैं। ये सभी शिमला आएंगे। आठ अगस्त को राजीव भवन में प्रदेश कांग्रेस की आम सभा भी होगी। इसमें भी पर्यवेक्षकों सहित प्रदेश के पदाधिकारी भाग लेंगे। आम सभा में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य, जिला व ब्लाक अध्यक्ष भी शामिल होंगे।

महाराष्ट्र: पूर्व मंत्री उदय सामंत की कार पर हमला, चार हिरासत में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के समर्थक और पूर्व मंत्री उदय सामंत ने दावा किया है कि बीते मंगलवार की शाम को अज्ञात लोगों ने उनकी कार पर हमला कर दिया। हालांकि पुलिस ने इस मामले में चार शिवसेना के कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है।

पूर्व मंत्री उदय सामंत ने बताया कि दो से तीन लोग हाथ में बेसबॉल की स्टीक व पत्थर लेकर आए और उनकी गाड़ी पर हमला कर दिया। इस दौरान उनकी गाड़ी के शीशे टूट गए। साथ ही यह भी कहा कि पुलिस मामले की जांच कर रही है कि हमलावर मेरे पीछे या फिर सीएम शिंदे के काफिले के पीछे लगे हुए थे। पूर्व मंत्री उदय सामंत ने कहा कि मुख्यमंत्री से फोन पर बात हुई, उन्हें घटना की जानकारी दे दी है। सामंत की कार पर जहां हमला हुआ, उससे कुछ देर पहले आदित्य ठाकरे की रैली थी।

मिशन 2024 में जुटा अपना दल अनुप्रिया ने दिया जीत का मंत्र

» 18 मंडलों के सदस्यता प्रभारी किए गए घोषित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोक सभा चुनाव 2024 में भाजपा के साथ उसके सहयोगी दल भी जीत दोहराना चाहते हैं। इसके लिए सहयोगी दलों ने अभी से ही संगठन और कार्यकर्ताओं को मजबूत करने की तैयारी शुरु कर दी है। अपना दल (एस) ने मिशन-2024 के लिए संगठन को मजबूत करने के लिए तैयारी शुरू कर दी है। पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने सदस्यता अभियान का शुभारंभ करते हुए 18 मंडलों के सदस्यता प्रभारी घोषित किए और कहा कि जिलाध्यक्षों का कार्यकाल सिर्फ दो वर्ष होगा। काम के आधार पर उनका रिपोर्ट कार्ड तैयार होगा।

लखनऊ के कैसरबाग स्थित गांधी भवन प्रेक्षागृह में आयोजित पार्टी की बैठक में अनुप्रिया ने कहा कि इन 18 सदस्यता प्रभारियों की देखरेख में ही मंडलों में सदस्यता अभियान को जमीन पर धार दी जाएगी। जोन अध्यक्ष से लेकर विधान सभा अध्यक्ष एवं जिलाध्यक्ष की नियुक्ति की जाएगी। यह प्रक्रिया अक्टूबर तक पूरी कर ली जाएगी। उन्होंने 2024 में होने जा रहे लोक सभा चुनाव की सफलता के लिए कार्यकर्ताओं को 24 घंटे मेहनत का मंत्र दिया। साथ ही कहा कि सभी जिलों में वृहद रूप से सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। सभी जिलों के तुलनात्मक आंकड़ों के आधार पर जिलाध्यक्षों का रिपोर्ट कार्ड तैयार किया जाएगा।

कांग्रेस-भाजपा को यूपी में खोजे नहीं मिल रहे अगले प्रदेश अध्यक्ष

» 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धों ने किया मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। ईडी के छापे के जरिए भाजपा लोक सभा चुनाव के पहले जनता के सामने यह रखना चाहती है कि विपक्षी पार्टिया भ्रष्ट हैं और भाजपा ही एकमात्र नैतिकतावाद पार्टी है। वहीं यूपी में महीनों बीत गए लेकिन कांग्रेस अध्यक्ष नहीं खोज पायी है। वहीं भाजपा भी यूपी में अपना अध्यक्ष अभी तक नियुक्त नहीं कर पायी है। सवाल यह है कि देश की दोनों बड़ी पार्टियां अपना सेनापति क्यों नहीं नियुक्त कर पा रही है? इस मुद्दे पर चिंतक सीपी राय, वरिष्ठ पत्रकार सुशील दुबे, सैयद कासिम, प्रो. लक्ष्मण यादव, कांग्रेस नेता जीशान हैदर और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के बीच लंबी परिचर्चा चली।

परिचर्चा

रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

वरिष्ठ पत्रकार सुशील दुबे ने कहा कि योगी पार्ट टू आया है। बाबा के पांच अधिकारी जो उनके सरकार चला रहे हैं और दो सलाहकार जो उनको सहयोग कर रहे उनकी मर्जी के बिना अध्यक्ष कैसे आ जाएगा। कांग्रेस नेता जीशान हैदर ने कहा कि कांग्रेस को अध्यक्ष चाहिए नहीं उन्हें कठपुतली चाहिए। अध्यक्ष चाहिए होता तो अध्यक्ष मिल गया होता। सैयद कासिम ने कहा कि सवाल ये है कि कांग्रेस में प्रदेश अध्यक्ष बनकर करेगा क्या? जो अध्यक्ष रहे उनके परिवार के लोग कांग्रेस में नहीं है। सीपी राय ने कहा कि जो लोग कांग्रेस के लिए वर्षों से लड़ रहे है। वे भी कहते हैं कि हम क्यों लड़ें जब कांग्रेस में लोग खुद आत्महत्या करना चाहते है। प्रो. लक्ष्मण यादव ने कहा कि भाजपा मनोवैज्ञानिक रूप से विपक्षी दलों को शिकस्त दे चुकी है।

सीएम के हाथों नियुक्ति पत्र पाकर खिले युवाओं के चेहरे, गोरखपुर को भी सौगात

» रोजगार मेले में कई नामचीन कंपनियों ने लिया भाग, किया युवाओं का चयन

» सीएम ने निगम के वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज गोरखपुर में रोजगार के साथ विकास परियोजनाओं की दोहरी सौगात दी। उनकी मौजूदगी में मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में लगने वाले वृहद रोजगार मेले में दस हजार युवकों को नौकरी दी गई। मुख्यमंत्री के हाथों नियुक्ति पत्र पाकर युवाओं के चेहरे खिल गए। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने गोरखपुर नगर निगम की 122.29 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया।

रोजगार मेले में देश की कई नामचीन समेत 50 से अधिक कंपनियों के प्रतिनिधि, युवाओं के चयन के लिए मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खुद अपने हाथों से कुछ युवाओं को ज्वाइनिंग लेटर सौंपा। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को रोजगार देने के लिए अनेक कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। युवाओं को अवसर दिया जा रहा है और उनकी प्रतिभा व ऊर्जा का लाभ प्रदेश को भी मिल रहा है। इसका परिणाम है कि प्रदेश देश की सबसे बड़ी अर्थिव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने युवाओं को मन से काम करने को कहा। वहीं मुख्यमंत्री ने 2.94 करोड़ की लागत वाली दो पर्यटक बसों व 10 इलेक्ट्रिक बसों, कूड़ा उठाने वाले 25 वाहनों व दो जेटिंग मशीन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। नगर निगम में बने डेडिकेटेड इंटिग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर व महंत अवेद्यनाथ अमृत वाटिका का भी मुख्यमंत्री ने लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने 25 चालकों को रोजगार पत्र और प्रधानमंत्री आवास योजना व स्वनिधि योजना के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र दिए। पर्यटक बस महानगर के सभी प्रमुख पर्यटन स्थलों तक जाएगी।

स्टाल का किया निरीक्षण

मुख्यमंत्री ने स्वयं सहायता समूहों की ओर से लगाए गए स्टाल का भी निरीक्षण किया। टेराकोटा की कलाकृतियों के साथ ही मुख्यमंत्री ने बर्तन बैंक, हाथ से बने आभूषण आदि के स्टाल भी देखे।

कुलदीप बिश्नोई का इस्तीफा, कांग्रेस को कहा अलविदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा कांग्रेस के बागी नेता कुलदीप बिश्नोई ने आज विधायक पद से इस्तीफा दे दिया है। वह कल भाजपा में शामिल होंगे।

उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता को अपना इस्तीफा सौंपा है। इस दौरान पूर्व विधायक रेणुका बिश्नोई, डिप्टी स्पीकर रणबीर गंगवा, भाजपा विधायक दूड़ाराम और लक्ष्मण नापा मौजूद रहे। कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि मनमुटाव परिवार में हो जाते हैं। मनमुटाव दुश्मनी में नहीं बदलनी चाहिए। कांग्रेस आदमपुर से चुनाव जीतकर दिखाए, मैं चुनाव हारा तो राजनीति छोड़ दूंगा। भाजपा में एक कार्यकर्ता के तौर पर ज्वाइन करूंगा। विधान सभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता ने कहा कि कुलदीप बिश्नोई के इस्तीफे की जांच करा रहे हैं। इस्तीफे की भाषा ठीक है। शाम तक जांच प्रक्रिया पूरी हो जाएगी।

मायावती का ऐलान

एनडीए के उपराष्ट्रपति प्रत्याशी धनखड़ का करेंगी समर्थन

» छह अगस्त को होने है चुनाव, डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने जताया आभार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती ने उप-राष्ट्रपति चुनाव के लिए एनडीए उम्मीदवार जगदीप धनखड़ को समर्थन देने का ऐलान किया है। उन्होंने अपनी पार्टी के समर्थन की घोषणा आज की।

बसपा प्रमुख मायावती ने ट्विट करते हुए लिखा कि सर्वविदित है कि देश के सर्वोच्च राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव में सत्ता व विपक्ष के बीच आम सहमति न बनने की वजह से ही इसके लिए फिर अन्ततः चुनाव हुआ। अब ठीक वही स्थिति बनने के कारण उपराष्ट्रपति पद के लिए भी छह अगस्त को चुनाव होने जा रहा है। उन्होंने लिखा कि बसपा ने उपराष्ट्रपति पद के लिए हो रहे चुनाव में भी व्यापक जनहित और अपनी मूवमेंट को ध्यान में रखकर जगदीप धनखड़ को अपना समर्थन देने का फैसला किया है तथा जिसकी मैं आज औपचारिक घोषणा कर रही हूं। वहीं, प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि बहन जी ने हमेशा से वंचित वर्ग की आवाज उठाई है और मुझे लगता है कि जिस तरह से उन्होंने राष्ट्रपति चुनाव में द्रौपदी मुर्मू को सपोर्ट किया और उपराष्ट्रपति के चुनाव में जगदीप धनखड़ को सपोर्ट किया है इसके लिए मैं उनका आभार प्रकट करता हूं।

शिवसेना पर अधिकार को लेकर सुप्रीम कोर्ट में कल फिर होगी सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में शिवसेना पर अधिकार को लेकर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई है। इस दौरान दोनों पक्षों की तरफ से तीखी बहस हुई। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने कोई निष्कर्ष नहीं निकलने की वजह से आज की सुनवाई टाल दी गई और कल के लिए नई तारीख दी।

उद्धव कैंप के वकील कपिल सिब्बल ने दलील देते हुए कहा कि अगर दो तिहाई विधायक अलग होना चाहते हैं तो उन्हें किसी से विलय करना होगा या नई पार्टी बनानी होगी। चीफ जस्टिस ने पूछा कि क्या सभी पक्षों ने मामले से जुड़े कानूनी सवालों का संकलन जमा करवाया है। सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि मैं अभी जमा करवा रहा हूं। वहीं शिंदे गुट के वकील हरीश साल्वे ने कहा कि जिस नेता को बहुमत का समर्थन न हो। वह कैसे बना रह सकता है? इस पर कोर्ट ने अगली सुनवाई की तारीख दे दी।

खत्म हो सांसदों की पेंशन व अन्य सुविधाएं: वरुण

» भाजपा सांसद ने फिर घेरा अपनी सरकार को, कहा, बढ़ती महंगाई से बुझे उज्ज्वला के चूल्हे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पीलीभीत। सांसद वरुण गांधी ने आज सुबह ट्विटर पर लिखा कि सुशील मोदी ने सदन (संसद) में 'मुफ्तखोरी की संस्कृति' खत्म करने पर चर्चा का प्रस्ताव रखा है पर जनता को मिलने वाली राहत पर अंगुली उठाने से पहले हमें अपने गिरेबां में जरूर झांक लेना चाहिए। क्यों न चर्चा की शुरूआत सांसदों को मिलने वाली पेंशन समेत अन्य सभी सुविधाएं खत्म करने से हो?

सांसद ने ट्विटर पर लिखा कि पिछले पांच सालों में प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के 4.13 करोड़ लोग एलपीजी की सिंगल रीफिलिंग का खर्च नहीं उठा सके जबकि 7.67 करोड़ लोगों ने इसे केवल एक बार रीफिल कराया। सांसद ने लिखा कि घरेलू गैस की बढ़ती कीमतें और नगण्य सब्सिडी के साथ गरीबों के उज्ज्वला के चूल्हे बुझ रहे हैं। उन्होंने पूछा 'स्वच्छ ईंधन, बेहतर जीवन' देने के वादे क्या ऐसे पूरे होंगे? सांसद ने इसके साथ ही संसद में प्रस्तुत की गई केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की उस रिपोर्ट को भी ट्विटर पर अपलोड किया है, जिसमें वर्ष 2017-18 से लेकर 2021-22 तक देश में प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के तहत गैस रीफिल के आंकड़े दिए गए हैं।

फोटो: 4पीएम

गोप ने की लोक कल्याण की कामना

महापर्व नाग पंचमी के मौके पर सपा के पूर्व प्रदेश महासचिव व पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविन्द कुमार सिंह गोप ने अपने बाराबंकी सिविल लाइन स्थित आवास पर सपरिवार रुद्राभिषेक कर लोक कल्याण की मंगल कामना की।

रियल इस्टेट कारोबारियों के कई ठिकानों पर आयकर की छापेमारी

» सपा नेता के यहां भी पहुंची टीम, हड़कंप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर/झांसी। रियल इस्टेट कारोबारियों के कानपुर-झांसी समेत कई ठिकानों पर आयकर विभाग की टीम ने आज छापेमारी की। इससे हड़कंप मच गया है।

कानपुर में राकेश यादव के आवास पर आयकर विभाग का छापा पड़ा। इनके रियल इस्टेट कंपनी घनाराम इंफ्रा से संबंध की बात सामने आ रही है। कल्याणपुर स्थित नवशील धाम स्थित आवास पर छापा पड़ा। इसी कड़ी में झांसी में आठ से अधिक कारोबारियों के घर पर इनकम टैक्स की रेड पड़ी। आयकर विभाग की टीम ने सपा के नेता पूर्व एमएलसी श्यामसुंदर सिंह यादव के भाई विशन सिंह यादव समेत शहर के आधा दर्जन बिल्डरों के घर और ऑफिस में छापा मारा। इसके अलावा सिविल लाइन्स निवासी वीरेंद्र राय भी झांसी के बड़े बिल्डर्स में शुमार हैं। उनके कई होटल, स्कूल व मॉल्स हैं। आज सुबह टीम ने उनके नवाबाद क्षेत्र स्थित आवास पर टीम ने छापा मारा साथ ही जानकीपुरम कालोनी निवासी विजय सरावगी, दिनेश सेठी, राकेश बघेल, अरोरा आदि बिल्डर्स के घर भी छापेमारी जारी है। आयकर विभाग ने छापे को लेकर काफी सख्ती बरती है अधिकारियों से जब छापे को लेकर जानकारी मांगी गई तो उन्होंने कुछ भी कहने से साफ इनकार कर दिया। खबर लिखे जाने तक आयकर विभाग की कार्यवाही जारी रही।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।